

२५/०८/२२

आज यह प्राप्त पत्रवली मूल दवा पत्रवली के साथ पेश हुई। चूंकि आज पत्रवली की मूल दवा पत्रवली अदम्य हावरी। अदम्य पेशी में शामिल हो चुकी है। अब इस प्राप्त पत्रवली का कोई औचित्य बही रह गया है। अतः यह प्राप्त २१२ रसा भी अदम्य हावरी। अदम्य पेशी में शामिल किया जाता है। पूर्व में पारी इतिहास स्वयं आदेश निरस्त किया जाते हैं। पत्रवली केवल सुमार लेकर अदम्य ले ली। बाद तक मीठे सुलभ मूल दवा पत्रवली रहे। सुनाया गया।

सहायक कलक्टर
मुण्डावर (अलवर) राज०

